भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4079

उत्तर देने की तारीख : 12.12.2019

बंद पड़े उद्योगों का पुनरुद्धार

4079. **श्री संतोष पान्डेयः**

क्या सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) छत्तीसगढ़ राज्य में बंद पड़े निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों की संख्या कितनी है;

(ख) विगत एक वर्ष से घाटे में चल रहे एमएसएमई क्षेत्र के उद्योगों की संख्या कितनी है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का इन बंद पड़े उद्योगों का पुनरुद्धार करने अथवा उन्हें लाभकारी बनाने के लिए एक योजना बनाने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव जिले में बंद पड़ी बीएनसी मिलों की खाली पड़ी जमीन पर पुनः उद्योग स्थापित करने की सरकार की क्या योजना है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री

(श्री नितिन गडकरी)

(क) से (घ) : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम की बंद पड़ी इकाइयों के आंकड़े केंद्रीकृत रूप से नहीं रखे जाते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने मार्च, 2016 में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को छोड़कर) को " सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के पुनरुद्धार और पुनर्वास के लिए फ्रेमवर्क" पर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत बैंकों को एमएसएमई खातों में प्रारंभिक दबाव की पहचान करने और उपयुक्त सुधारात्मक कार्य योजना यथा सुधार, पुनर्गठन और वसूली के लिए इन्हें इस फ्रेमवर्क के तहत गठित समितियों के पास भेजने की सलाह दी गई है। भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त सूचना के अनुसार मार्च, 2019 को समाप्त छमाही के दौरान सुधारात्मक कार्य योजना समिति के पास भेजे गए दबावग्रस्त खातों की संख्या 1,42,275 है।

(ड़) : सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय की ऐसी कोई योजना नहीं है।

*****